असंशोधित

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

13 फरवरी, 2024

श्री विजय कुमार चौधरी,मंत्री : महोदय, हमने उत्तर में बताया है कि ये जो ड्राफ्ट पब्लिकेशन हुआ था उसपर बिहार सरकार ने अपनी टिप्पणी दे दी है भारत सरकार को लेकिन उसपर अंतिम निर्णय करके अधिसूचना जारी नहीं हुई है और हमने माननीय सदस्य को कहा है कि अगर भारत सरकार अधिसूचना जारी कर देगी तो निश्चित रूप से सरकार उसपर विचार करेगी ।

उपाध्यक्ष : सकारात्मक जवाब है ।

तारांकित प्रश्न सं0-9(सुश्री श्रेयसी सिंह)क्षेत्र सं0-241,जमुई

(लिखित उत्तर)

श्री श्रवण कुमार,मंत्री : महोदय, आंशिक स्वीकारात्मक है । वस्तुतः स्थिति यह है कि जमुई जिला अन्तर्गत बाल विकास परियोजना कार्यालय, जमुई सदर अन्तर्गत पंचायत लखनपुर के वार्ड सं0-09 में आंगनबाड़ी भवन 13वीं वित्त आयोग से अधूरा बना हुआ है जिसका विधिवत कार्यालय को हस्तगत नहीं कराया गया है । ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि पूर्व के मुखिया द्वारा भवन का निर्माण किया गया था परन्तु अधूरा ही छोड़ दिया गया है । पोषक क्षेत्र में समुचित स्थल नहीं रहने के कारण पूर्व की सेविका स्व0 रंजू देवी द्वारा अपने ही स्तर से करकट छत डालकर केन्द्र का संचालन किया जा रहा था । उनके मरणोपरान्त उक्त केन्द्र को टैगकर वर्तमान की सेविका द्वारा उसी अधूरे भवन में करकट युक्त कमरे में ही केन्द्र का संचालन किया जा रहा है । आइ0सी0डी0एस0 निदेशालय के पत्रांक-985, दिनांक 08.02.2024 द्वारा जिला पदाधिकारी, जमुई, उप विकास आयुक्त, जमुई एवं जिला योजना पदाधिकारी, जमुई को उक्त भवन का निर्माण कार्य पूर्ण कराने हेतु पत्र भेजा गया है।

सुश्री श्रेयसी सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्राप्त है और जिलाधिकारी को निदेश भी दिया गया है कि भवन निर्माण का कार्य पूरा किया जाय, परन्तु एक सवाल इस जवाब में ही छिपा हुआ है । इस जवाब में लिखा गया है कि 13वें वित्त में इस आंगनबाड़ी केन्द्र के लिए राशि उपलब्ध करायी गयी थी, परन्तु यह कार्य पूरा नहीं कराया गया। साथ ही साथ यह भी लिखा गया है कि पोषक क्षेत्र में समुचित स्थल नहीं रहने के कारण पूर्व की सेविका द्वारा यह केन्द्र संचालित था । मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहती हूँ कि क्या इस केन्द्र के भवन निर्माण का काम पूरा कराने का जो सरकार की सोच है वह 13वें वित्त की राशि से पूरी की जायेगी, हां तो कब तक ?

श्री श्रवण कुमार,मंत्री : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या सुश्री श्रेयसी सिंह जी का जो प्रश्न है बहुत गंभीर प्रश्न है । इसके उत्तर में हमने दिया है कि निश्चित रूप

से जिलाधिकारी, उप विकास आयुक्त को निदेश जारी किया गया है कि जल्द से जल्द अधूरे भवन का काम पूरा करा दें । यह निदेश दिया गया है और इसको हम समय सीमा के अंदर जल्द से जल्द पूरा करायेंगे ।

सुश्री श्रेयसी सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री यह बता दें कि क्या ये दोनों बात जो अलग-अलग लिखी गयी है कि एक तरफ सरकार द्वारा राशि भी आयी और दूसरी तरफ पोषक क्षेत्र में समुचित स्थल नहीं है तो क्या यह कारण आगे जिला पदाधिकारी द्वारा सामने नहीं आयेगा ?

श्री श्रवण कुमार,मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, बिलकुल स्पष्ट उत्तर है कि जिस आंगनबाड़ी केन्द्र के बारे में माननीय सदस्या ने प्रश्न किया है वह भवन अधूरा है । 13वें वित्त की राशि से वह जो काम हो रहा था वह अधूरा है और वहां पर पहले से जो कार्यरत सहायिका थी उसका निधन हो गया है, लेकिन निधन के पूर्व उन्होंने अधूरे भवन को करकट से छाड़कर उसमें काम चला रही थी, अभी भी उसी तरह से काम चल रहा है । मैंने अधिकारियों को निदेश दिया है कि करकट की जगह 13वें वित्त की राशि से उसको जल्द से जल्द पूरा करा दें ।

सुश्री श्रेयसी सिंह : धन्यवाद ।

टर्न-7/पुलकित/13.02.2024

(व्यवधान जारी)

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अपना-अपना स्थान ग्रहण करें । अब प्रश्नोत्तर काल समाप्त हुआ । जिन प्रश्नों के उत्तर तैयार हों उन्हें सदन पटल पर रख दिया जाए ।

(व्यवधान जारी)

माननीय सदस्यगण, अपना-अपना स्थान ग्रहण करें, अपनी-अपनी जगह पर बैठ जायं ।

(इस अवसर पर विपक्ष के माननीय सदस्यगण सदन से बहिगर्मन कर गये)